कार्रवाई • जलगांव और नासिक से 3 नाबालिग लड़कियां रेस्क्यू, परिजनों को सौंपे गए

इंस्टाग्राम के माध्यम से पीड़ितों को फंसाया, फिर घर से फुसलाकर ले गए

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने महाराष्ट्र के जलगांव और नासिक जिलों में लगातार दो दिन से अधिक समय तक छापेमारी करके तीन नाबालिग लड़कियों को बचाया है। बचाई गई तीनों लड़कियों की उम्र क्रमशः 12, 14 और 16 वर्ष थी। दिल्ली लाए जाने के बाद पुलिस ने तीनों को उनके परिजनों को सौंप दिया।

डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया इनमें से दो 12 और 14 वर्ष की पीड़िता सहोदर बहनें हैं जिन्हें रोहिणी से 16 अक्टूबर को अपहरण कर लिए जाने की पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस की नोडल एजेंसी के रूप में, क्राइम ब्रांच एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम, जिसमें इंस्पेक्टर वीरेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल अनुज और महिला हेड कांस्टेबल सुकन्या शामिल थे, ने इस संवेदनशील मामले को संभाला। टीम ने 45 से अधिक मोबाइल नंबरों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड और विभिन्न संदिग्धों की सोशल मीडिया आईडी का विश्लेषण किया।

30 से अधिक मोबाइल नंबरों के सीडीआर का किया विश्लेषण

वहीं तीसरी पीड़िता का अपहरण 01 सितंबर को बादली से हुआ था। इस संवेदनशील मामले को भी उसी टीम ने संभाला, टीम ने जांच के दौरान 30 से अधिक मोबाइल नंबरों के सीडीआर का विश्लेषण किया। पता चला कि संदिग्ध ने दिल्ली के नजफगढ़, बिहार के दरभंगा और फिर महाराष्ट्र के नासिक तक अपना ठिकाना बदलते हुए 6 अलग-अलग सिम कार्ड का उपयोग किया। अंत में, नासिक और कसारा के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी के बाद, टीम ने आखिरकार पीड़िता को नासिक से बरामद कर लिया। जांच से पता चला कि पीड़िता संदिग्ध के संपर्क में थी, जो उसके घर के पास एक फैक्ट्री में काम करता था। वह उसकी योजना के अनुसार घर से निकली और महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर रही थी।

इंस्टाग्राम आईडी पर एक रील के माध्यम से पहुंचे नाबालिगों तक...

इस दौरान जांच टीम को एक संदिग्ध के इंस्टाग्राम आईडी पर एक रील में निंभोरा का नाम दिखा, जिसने टीम को संदिग्ध और पीड़िताओं को ट्रैक करने की दिशा दी। पता चला कि संदिग्ध ने मालेगांव, भुसावल और जलगांव, महाराष्ट्र में लगातार अपने स्थान को परिवर्तित कर रहे हैं। लगातार प्रयासों और छापेमारी के बाद, जलगांव जिले के भुसावल सिटी और भुसावल तालुका थाना क्षेत्र में, टीम ने दोनों पीड़िताओं को संदिग्ध के घर से सुरक्षित बरामद कर लिया। जांच से पता चला कि पीड़िता संदिग्ध के साथ इंस्टाग्राम के माध्यम से संपर्क में आई थी। दोनों पीड़िताओं उसके योजना के अनुसार घर छोड़कर महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर गईं और करीब दो महीने तक रहीं।

पत्नी के मित्र की भी हत्या की योजना बन रहा था पति

द्वारका पुलिस से पूछताछ में आरोपी ने किया खुलासा

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

द्वारका पुलिस ने हत्यारे आरोपी पति धनराज को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पत्नी की हत्या करके शव को घर के बेड बॉक्स में डालकर फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पत्नी द्वारा धोखा दिए जाने की संदेह में अब उसके मित्र की भी हत्या करने की योजना बना रहा था। मगर इस हत्या की योजना को अंजाम देने से पहले ही उसे पकड़ लिया गया।

डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया कि पिछले सप्ताह शुक्रवार को डाबरी इलाके में एक घर से एक महिला का सड़ा-गला शव बरामद किया था। महिला की पहचान दीपा चौहान के रूप में हुई थी। पिता की शिकायत पर पुलिस ने पति धनराज के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। जांच के दौरान, पुलिस ने पाया कि आरोपी शराबी है। वह मोटरसाइकिल टैक्सी चालक चलाता है। पत्नी दीपा एक कॉल सेंटर में काम करती थी और घर के खर्च उठाती थी। बताया जाता है कि वह एक पुरुष सहकर्मी के साथ दोस्ती कर ली थी, जिसका धनराज विरोध करता था। उसे संदेह था कि उसकी पत्नी का उसके साथ अफेयर है। डीसीपी ने बताया कि आरोपी धनराज को ढूंढने के लिए कई टीमें बनाई गईं। पुलिस ने पाया कि उसने एक नया सिम कार्ड लिया था और अमृतसर गया था। दिल्ली लौटते समय उसे रविवार को करनाल बाईपास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान, धनराज ने अपनी पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार की और बताया कि 29 दिसंबर को उसकी पत्नी और उसके सहकर्मी के दोस्ती को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़े के दौरान उसने गला घोंटकर उसे मार डाला।

शव को छिपाने के लिए देखा था ऑनलाइन वीडियो

पूछताछ में उसने बताया है कि हत्या के बाद उसने शव को ठिकाने लगाने के लिए ऑन लाइन कई वीडियो देखे थे। पहले उसने शव को टुकड़ों में काटकर निपटाने की भी योजना बनाई थी।

शोरूम से चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली | पश्चिमी दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है, जो एक बाइक शोरूम में काम करता है। उसने शोरूम से 6 लाख रुपये और वहां लगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी कर फरार हो गया था। गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस को बताया कि शोरूम प्रबंधन ने उसके वेतन बढ़ाने की मांग को अस्वीकार कर दिया था, जिससे वह नाराज था। आरोपी हसन खान के पास से चोरी किए 5 लाख नकद और दो महंगे कैमरे भी बरामद किए हैं। अन्य सामानों की तलाश की जा रही है।

महिलाओं के कपड़ों के बटन में छिपाया था सोना, गिरफ्तार

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

आईजीआई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने एक भारतीय पुरुष यात्री को सोना छिपाकर तस्करी करने की कोशिश करते हुए पकड़ा। अधिकारियों ने बताया आरोपी यात्री 6 जनवरी को जेद्दाह से दिल्ली सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या एसवी-756 से पहुंचा था।

टर्मिनल 3 पर पहुंच इमिग्रेशन क्लीयरेंस के बाद यात्री ग्रीन चैनल पार करने के जुगत में था। इसी दौरान वहां मौजूद कस्टम के अधिकारियों ने स्पॉट प्रोफाइलिंग तकनीकों का उपयोग करके यात्री को ग्रीन चैनल एक्जिट पर रोक लिया। उसके समानों की एक्स-रे स्कैनिंग के दौरान उसमें संदिग्ध छवियां दिखी। जबकि यात्री डीएफएमडी से बिना किसी अलार्म को ट्रिगर किए हुए निकला था। इसके बाद समानों की मैनुअल तरीके से जांच करने पर 201 चांदी मढ़े हुए रिंग्स मिले जो कि सोने के बने हुए दिख रहे थे, जो कपड़ों के मेटल बटन के रूप में बड़ी चतुराई से छिपाए गए थे। जांच करने पर छिपाए गए मेटल रिंग्स, 24 कैरेट सोने के होने की पुष्टि हुई। जिसका कुल वजन 379 ग्राम था। बरामद सोने की कीमत लगभग 29 लाख रुपये आंकी गई है।

सोशल मीडिया पर हथियार लेकर टशन दिखाना पड़ा भारी, आरोपी पहुंचा जेल

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

फिल्मी गैंगस्टरों से प्रभावित होकर सोशल मीडिया पर टशन दिखाने के लिए हथियार के साथ फोटो पोस्ट करना भारी पड़ गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की निगरानी कर रही दक्षिण जिले की पुलिस को जैसे ही इसकी जानकारी मिली तत्काल जिले की एएटीएस की टीम हरकत में आई और आरोपी को ट्रैक कर दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दक्षिणपुरी, अंबेडकर नगर निवासी रोहित उर्फ रोहन (23) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से वह देसी कट्टा और एक कारतूस भी बरामद की है। डीसीपी अंकित चौहान ने बताया जिला पुलिस उन अपराधियों पर कड़ी नजर रख रही है जो पहले हथियार अधिनियम मामलों अपराधों में शामिल रहे हैं। इस दौरान सोशल मीडिया अकाउंट पर भी नजर रखी जा रही है। टीम ने उसके छिपे होनेवाली जगह पर छापामार कार्रवाई कर आरोपी को पकड़ लिया।

2021 में पैरोल पर निकलने के बाद हो गया था फरार

आजीवन कारावास की सजा पाने वाला अपराधी पकड़ा गया

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की इंटेलिजेंस स्पेशल सेल ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए मयूर विहार पुलिस स्टेशन के एक दुष्कर्म केस में आजीवन कारावास की सजा पाने वाले एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी पैरोल पर छूटा था लेकिन वापस समर्पण करने के बजाय फरार हो गया था। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संजय कुमार सैन ने बताया 2004 में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में मयूर विहार थाने में एक केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान, पीड़िता के पिता को गिरफ्तार किया गया था। ट्रायल के बाद, आरोपी को दोषी पाया गया और ट्रायल कोर्ट ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। 2021 में उसे 90 दिनों के लिए पैरोल दी गई थी, लेकिन वह अधिकारियों के सामने वापस नहीं आया और तब से फरार था।

एक महीने की कड़ी मेहनत कर दोषी को पकड़ा...

जेल प्राधिकारियों से जानकारी मिलने और अपराध की गंभीरता को देखते हुए, एक टीम गठित की गई थी। पैरोल के बाद से आरोपी खुद को छुपाता रहा था, इसलिए टीम ने लगभग एक महीने तक कड़ी मेहनत की और इस दौरान उसके संबंध में सभी जानकारियां और उसके रिश्तेदारों के संपर्क नंबर एकत्र किए। इसके अलावा, उसके संभावित ठिकानों की पहचान के लिए मानव संसाधन भी तैनात किए गए। टीम की मेहनत रंग लाई जब पता चला कि वह 06 जनवरी को दिल्ली आएगा।

छोटे भाई को गोली मारने वाला बड़ा भाई गिरफ्तार, पिता ने किया था बेदखल

भास्कर न्यूज | दिल्ली

मधु विहार में हत्या के प्रयास के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके पास से अपराध में इस्तेमाल हथियार एक अवैध देशी पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस और 1 खाली कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया 6 जनवरी को दोपहर लगभग 12.15 बजे मधु विहार थाने में गोलीबारी की घटना की सूचना प्राप्त हुई थी। पुलिस मौके पर पहुंची जहां पुरुषोत्तम कुमार मिश्रा निवासी मंडावली ऊंचेपुर मिले।

उन्होंने बताया उनके बड़े बेटे आनंद मिश्रा ने छोटे बेटे अनिरुद्ध पर गोली चलाई है। उसे एलबीएस अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें एलएनजेपी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। पुरुषोत्तम का बयान दर्ज किया गया जिसमें उन्होंने कहा उन्होंने अपने दोनों बेटों और पत्नी को अपनी संपत्ति से बेदखल कर दिया है।

विज्ञापन

सोनालीका: असंभव भारतीय सफलता की कहानी

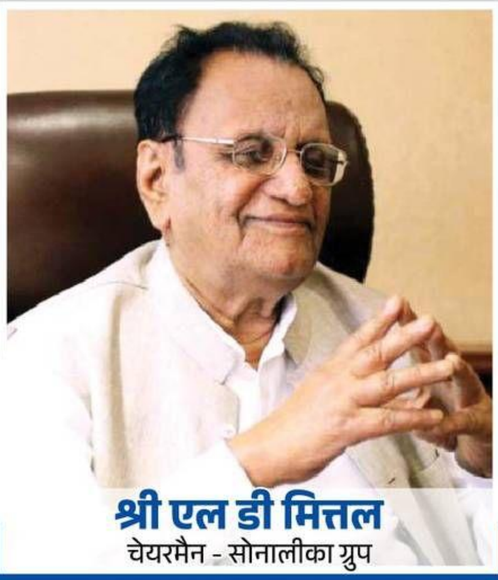

श्री एल डी मित्तल
चेयरमैन - सोनालीका ग्रुप

US $ 1.1 अरब टर्नओवर

ऋण मुक्त दृष्टिकोण

4- 3 सिद्धांत-सर्वोत्तम उत्पाद और सर्विस, हितधारकों को प्राथमिकता और बिना किसी शॉर्टकट के नैतिक दृष्टिकोण।

भारत ऐसे दूरदर्शी लोगों से भरा है जिनके अथक प्रयासों ने एक अमिट छाप छोड़ी है और सफलता की ऊंचाइयों को छुआ है। दूरदर्शी ट्रैक्टर दिग्गज, श्री एल डी मित्तल, चेयरमैन, सोनालीका ग्रुप ने बताया कि कैसे कृषक समुदाय को सशक्त बनाने का उनका सपना एक अविश्वसनीय भारतीय सफलता की कहानी का आधार बन गया।

प्रश्न: सोनालीका की विकास की कहानी अविश्वसनीय है। इसके पीछे सफलता का मंत्र क्या है?

सोनालीका का जन्म पंजाब के होशियारपुर के एक छोटे से गैर-औद्योगिक शहर में हुआ था और यह अब अनुमानतः $1.1 बिलियन के कुल कारोबार के साथ फॉर्च्यून 500 इंडिया 2024 में सबसे बड़ी कंपनियों की सूची में शामिल है। यह कल्पना से परे है, फिर भी सच है। भले ही संचालन का स्तर कुछ भी हो, किसानों के काम को आसान बनाने और कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए वैश्विक तकनीक प्रदान करने के हमारे दृढ़ विश्वास ने हमें यहाँ तक पहुँचाया है। अपनी स्थापना के बाद से ही सोनालीका की नींव **3 सिद्धांतों पर टिकी है - अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम उत्पाद और सर्विस प्रदान करना, हितधारकों के हितों को प्राथमिकता देना और नैतिकता के उच्चतम मानकों के साथ व्यापार करना तथा उत्कृष्टता के लिए कोई शॉर्टकट न अपनाना।**

शुरुआती दिनों में जब हमने थ्रेशर बनाना शुरू किया, तो हम स्पष्ट थे कि हमें लागत की परवाह न करते हुए सबसे अच्छे उत्पाद बनाने हैं। इस दृष्टिकोण ने हमें किसानों का विश्वास जीतने और उनकी ज़रूरतों को गहराई से समझने में मदद की। हम उनकी प्रतिक्रिया से अभिभूत थे और उन्होंने हमसे बेहतर गुणवत्ता वाले ट्रैक्टर बनाने का अनुरोध किया। इसने हमें 1995 में ट्रैक्टर व्यवसाय में प्रवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। तब से सोनालीका ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा । उच्च गुणवत्ता वाले ट्रैक्टर प्रदान करने के अपने ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ।

विश्वसनीय सर्विस और स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता के साथ हमनें देश भर में और दुनिया भर में लाखों किसानों का दिल जीत लिया। हमने अपने व्यवसाय के सिद्धांतों में स्वयं के अनुशासन और संसाधनों के साथ आगे बढ़ने के दृढ़ विश्वास को लागू करके इसे और कठिन बना दिया। यह सफ़र आसान नहीं था और अक्सर अस्तित्व के सवाल भी उठे। हालाँकि, हर बार हम **ऋण-मुक्त रहने के अपने सिद्धांत पर अड़े रहकर** और भी मज़बूत हुए। इसने हमें अलग तरह से सोचने और चीज़ों को अलग तरह से करने में मदद की है जिससे हम आत्मनिर्भर बन गए हैं। हमने बिना किसी प्लांट या अनुसंधान एवं विकास के साथ शुरुआत की, लेकिन हमारा दृढ़ विश्वास था कि हम जो कर रहे हैं वह सही है क्योंकि मेरा दृढ़ विश्वास है कि 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती'। इस दृष्टिकोण ने हमें प्रत्येक ग्राहक वर्ग के लिए विभिन्न समाधान प्रदान करने के लिए अपनी खुद की कृषि तकनीक को डिजाइन और विकसित करने पर केंद्रित रखा है।

हमने अपने व्यवसाय में पैमाने से परे हर काम में सर्वश्रेष्ठ देने के अपने विश्वास को मजबूत करना जारी रखा है - चाहे वह महीने में 100 ट्रैक्टर की शुरुआती वॉल्यूम हो या आज लगभग 15,000 ट्रैक्टर प्रति माह वॉल्यूम। हम हमेशा अपने ग्राहकों के करीब रहते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि हम उनकी बढ़ती जरूरतों को समझें और आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपने उत्पादों में तेज़ी से सुधार करें।

शुरुआती वर्षों में हमारे सप्लायर ने इंजन और अन्य घटकों में संशोधन के लिए हमारे अनुरोधों को कम वॉल्यूम के कारण स्वीकार नहीं किया। यही वह समय था जब हमने ट्रैक्टर बनाने के लिए अपनी खुद की क्षमता विकसित करने का फैसला किया, चाहे वह इंजन हो, ट्रांसमिशन हो, शीट मेटल हो, गियर बॉक्स हो इत्यादि ताकि आवश्यक संशोधन जल्दी से किए जाएं और हमारे ग्राहकों की ज़रूरतें पूरी हों। हमारे हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों की मांग तेज़ी से बढ़ती रही और इतनी हो गई कि हमने अपने प्लांट का विस्तार किया जो आज होशियारपुर में दुनिया का नंबर 1 इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है। यह अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट हर 2 मिनट में 1 ट्रैक्टर तैयार करता है, जो रोबोट संचालन और स्वचालित उत्पादन लाइनों द्वारा समर्थित है जो एक ही असेंबली लाइन पर विभिन्न इंजन और ट्रांसमिशन बनाने हेतु लचीले हैं। आज तक, यह प्लांट अपनी क्षमताओं में बेजोड़ बना हुआ है। आज, हम घरेलू और एक्सपोर्ट बाजारों की विशिष्ट आवश्यकताओं हेतु 2,000 से अधिक मॉडल बनाते हैं।

हम अपने विक्रेताओं के साथ मिलकर काम करना जारी रखते हैं और होशियारपुर में अपना निर्माण केंद्र स्थापित करने में उनकी मदद करते हैं। इससे हमें अपने प्लांट के आसपास एक संपूर्ण व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद मिली है।अपनी तकनीकी विशेषज्ञता को और बढ़ाने और ग्राहकों को सर्वोत्तम समाधान प्रदान करने के लिए, हमने रेनॉल्ट और यानमार जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ गठजोड़ किया है। मैं कृषक समुदाय के खुश चेहरों को देखकर प्रसन्न होता हूँ और यह मुझे उनके जीवन को सरल बनाने और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है। ग्राहकों की अपेक्षाओं से बढ़कर लगातार बेहतरीन गुणवत्ता वाले उत्पाद और सर्विस प्रदान करना हमारी पहली प्राथमिकता रही है। हम निरंतर इनोवेशन करने और हर किसान की ज़रूरतों को पूरा करने तथा सर्वोच्च ग्राहक संतुष्टि प्रदान करने के लिए अपनी रणनीतियों को मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रश्न: सोनालीका का अपने हितधारकों के प्रति क्या दृष्टि है ?

हमारे साथ जुड़े सभी लोग 'एक बड़े परिवार का हिस्सा हैं और हर कोई महत्वपूर्ण है'। एक उदाहरण कोविड-19 महामारी है जिसने वैश्विक स्तर पर उद्योगों का परीक्षण किया। हालांकि, सोनालीका ने अपने भागीदारों के लिए लचीलेपन और देखभाल का एक शानदार उदाहरण दिया। हमने अनिश्चित समय के दौरान कर्मचारियों को अग्रिम वेतन देकर उन्हें प्राथमिकता दी और एक भी कर्मचारी को नहीं हटाया। हर सप्लायर को अग्रिम भुगतान किया गया ताकि वे भी अपने कर्मचारियों और व्यावसायिक जरूरतों का ख्याल रख सकें। सोनालीका को अपने परिवार-उन्मुख संस्कृति पर गर्व है, जिसने हमें एकता और ताकत के साथ चुनौतीपूर्ण समय से निपटने में मदद की है।

हमारे निर्णय और कार्य ईमानदारी, सहानुभूति और जवाबदेही के मूल मूल्यों द्वारा निर्देशित होते हैं। ये साझा मूल्य नैतिक मानकों को बनाए रखते हैं, हमारे हितधारकों के लिए विश्वसनीयता को बढ़ावा देते हैं, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता का एक सर्व-समावेशी वातावरण बनाते हैं। हम एक प्रदर्शन आधारित कार्य संस्कृति के निर्माण में बहुत आगे बढ़ चुके हैं जो टीमवर्क में विश्वास करता है और हमारा एकमात्र उद्देश्य हर दिन सुधार करना है। हमारे पास ऐसे कर्मचारियों के उदाहरण हैं जिन्होंने हमारे साथ शुरुआत की और अब विभागों के प्रमुख हैं, डीलर जिन्होंने छोटे व्यवसायी के रूप में शुरुआत की और हमारे बड़े व्यवसायी बन गए। सोनालीका परिवार भरोसे पर बना है और यह हमारे व्यवसाय के प्रति वफादारी और समर्पण में बदल जाता है। संख्या बढ़ती रहेगी, परन्तु हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात है अपने लोगों पर हमारा विश्वास। हमें 8,000 से अधिक कर्मचारियों और 20,000 से अधिक विक्रेताओं और डीलरों के परिवार पर गर्व है।

सोनालीका दुनिया भर में 17 लाख से ज़्यादा किसानों का भरोसेमंद साथी है। यह न सिर्फ़ बेहतरीन ट्रैक्टर उपलब्ध कराता है बल्कि किसानों के साथ अपने व्यवहार में पारदर्शिता भी रखता है। यह एकमात्र ऐसी कंपनी है जो अपनी वेबसाइट पर अपने ट्रैक्टर की कीमतें दिखाती है। कंपनी ने किसानों को फाइनेंसिंग विकल्पों में मदद करने के लिए NBFC सेवाओं में भी कदम रखा है।

प्रश्न: महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए आपका क्या संदेश है?

"ऐ जज़्बा-ए-दिल अगर मैं चाहूँ हर चीज़ मुक़म्मिल हो जाए, मंज़िल के लिए दो कदम चलूँ और सामने मंज़िल आ जाए' - मिर्ज़ा ग़ालिब के ये शब्द मुझे हर दिन कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हैं और फिर भी मेरा मानना है कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। सिर्फ़ विचारों और प्रस्तुति कौशल से ज़्यादा कड़ी मेहनत और क्रियान्वयन पर ध्यान दें। सच्ची सफलता बाहरी मान्यता या फंडिंग की प्रतीक्षा करने के बजाय दृढ़ता और कार्रवाई में निहित है। अपने भविष्य की जिम्मेदारी लें! अंत में, हमारा मानना है कि किसानों की समृद्धि सिर्फ़ ट्रैक्टर उद्योग के विकास के लिए ही नहीं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। सोनालीका किसानों को सशक्त बनाने और सतत विकास हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध है। मेरा मानना है कि मेरी यात्रा तब पूरी होगी जब **'किसान का बेटा भी किसान बनना चाहेगा।'**